## खबरों में रहे स्टॉक

### एक्मे सोलर होल्डिंग्स

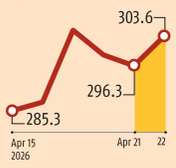


राजस्थान में 2 गीगावॉट प्रति घंटा बीईएसएस क्षमता का संचालन चालू हुआ

₹ 296.3 पिछला बंद भाव
₹ 303.6 आज का बंद भाव
2.4 % ▲

### हैवेल्स इंडिया

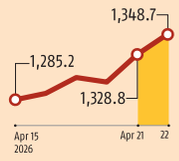


वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़ा

₹ 1,328.8 पिछला बंद भाव
₹ 1,348.7 आज का बंद भाव
1.5 % ▲

### प्रीमियर एक्सप्लोसिव्स

रक्षा उत्पादों की आपूर्ति के लिए 350 करोड़ रुपये का निर्यात ऑर्डर हासिल किया

₹ 498.1 पिछला बंद भाव
₹ 535.7 आज का बंद भाव
7.5 % ▲

### पाइन लैब्स

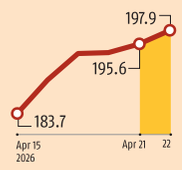


कर्णाटका बैंक ने पीओएस सेवा के लिए पाइन लैब्स के साथ किया करार

₹ 195.6 पिछला बंद भाव
₹ 197.9 आज का बंद भाव
1.2 % ▲

### कजारिया सिरैमिक्स

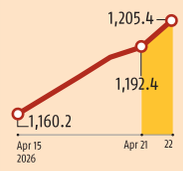


इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीद के लिए बोर्ड 30 अप्रैल को करेगा प्रस्ताव पर विचार

₹ 1,192.4 पिछला बंद भाव
₹ 1,205.4 आज का बंद भाव
1.1 % ▲

## संक्षेप में

### इटोचू को हरित अमोनिया आपूर्ति करेगी एलऐंडटी

लार्सन ऐंड टुब्रो (एलऐंडटी) ने जापान की इटोचू कॉरपोरेशन के साथ कांडला (गुजरात) में प्रस्तावित संयंत्र से हर साल तीन लाख टन हरित अमोनिया की आपूर्ति के लिए दीर्घकालिक समझौता किया है। कंपनी ने बुधवार को बीएसई को दी सूचना में बताया कि यह समझौता एलऐंडटी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एलऐंडटी एनर्जी ग्रीनटेक लिमिटेड (एलटीईजीएल) द्वारा किया गया है। इटोचू वस्त्र, मशीनरी, धातु, खनिज, ऊर्जा, रसायन, खाद्य एवं सामान्य उत्पादों सहित विभिन्न वस्तुओं के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार, आयात-निर्यात में सक्रिय है। *भाषा*

### आईएचसीएल ने ब्रिज में पूरा किया अधिग्रहण

टाटा समूह की इकाई इंडियन होटल्स कंपनी ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर लगभग 222 करोड़ रुपये के कुल निवेश के साथ ब्रिज हॉस्पिटलिटी में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक इस अधिग्रहण के बाद ब्रिज अब इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) की अनुषंगी कंपनी बन गई है। देश की सबसे बड़ी होटल कंपनी आईएचसीएल ने जनवरी में कहा था कि उसने ब्रिज हॉस्पिटलिटी प्राइवेट लिमिटेड में लगभग 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए शेयर खरीद समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। *भाषा*

### एवरेडी का अल्कलाइन बैटरी पर दांव

एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया ने बुधवार को जम्मू में देश की पहली अल्कलाइन बैटरी विनिर्माण इकाई की शुरुआत की। इसका मकसद अपने ब्रांडेड कारोबार को मजबूत करना और साथ ही देश-विदेश में व्हाइट-लेबल और प्राइवेट-लेबल वाले बाजारों का फायदा उठाना है। इस संयंत्र का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एवरेडी के प्रवर्तक और गैर-कार्यकारी निदेशक मोहित बर्मन की मौजूदगी में किया। एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया के मुख्य कार्य अधिकारी अनिर्वाण बनर्जी ने बताया कि यह इकाई पूरे सार्क क्षेत्र में एकमात्र चालू अल्कलाइन बैटरी संयंत्र है। *बीएस*

## सवाल जवाब

# भारत में डिजिटल कॉमर्स की तेजी पर दांव लगा रही पेयू

**फिनटेक क्षेत्र की बड़ी कंपनी पेयू भारत में डिजिटल कॉमर्स की बढ़ोतरी के अगले चरण पर दांव लगा रही है। प्रोसस के समर्थन वाली यह कंपनी मर्चेंट और बैंक समाधानों पर अपना ध्यान तेजी से बढ़ा रही है। पेयू के मुख्य कार्याधिकारी अनिर्वाण मुखर्जी ने अजिंक्य कावले के साथ एक साक्षात्कार में अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। इनमें एआई से जुड़ी प्राथमिकताएं, पिछले अधिग्रहणों से अपेक्षित परिणाम और मर्चेंट ऑनबोर्डिंग पर लगे नियामकीय प्रतिबंध के बाद की रिकवरी शामिल हैं। उनसे बातचीत के अंशः**

**वित्त वर्ष 2026 की मुख्य बातें क्या थीं और वित्त वर्ष 2027 के लिए क्या प्राथमिकताएं हैं?**

पेयू मुनाफे की राह पर लगातार प्रगति कर रही है। उसने पिछले साल के दौरान अपने पेमेंट एवं क्रेडिट कारोबारों के प्रदर्शन में सुधार किया है। पेयू की रणनीति लगातार पेमेंट और क्रेडिट के मिले-जुले मॉडल पर आधारित है, जिसे उसकी अपनी बैलेंस शीट और एनबीएफसी का सहारा मिला हुआ है। यह एकीकृत तरीका ही उसे दूसरों से अलग करता है।

पेमेंट के मामले में, वह माइंडगेट और विबमो के जरिये मर्चेंट और जारीकर्ता, दोनों पक्षों के लिए समाधान उपलब्ध कराती है। यह ऐसी रणनीति है जो बैंकों को लेनदेन संसाधित करने में सक्षम बनाने के साथ-साथ व्यापारियों को भुगतान स्वीकार करने में मदद पर भी उतनी ही केंद्रित है। वित्त वर्ष 2027 की प्राथमिकताएं यूपीआई से जुड़ी क्षमताओं के विस्तार पर केंद्रित होंगी, विशेष रूप से माइंडगेट के माध्यम से, क्योंकि यूपीआई पर ऋण सुविधा अगले बड़े इनोवेशन के रूप में उभर रही हैं।

**प्रोसस ने बताया कि पेयू ने अपने पेमेंट्स बिजनेस का पुनर्गठन किया है। आपने पिछले दो साल में किस तरह के बदलाव किए हैं?**

हमने आरबीआई से बातचीत करके पेमेंट, क्रेडिट, विबमो और माइंडगेट (2025 में 70 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की) इन सभी को एक साथ किया। हमने नया कॉरपोरेट ढांचा तैयार किया है, जिसके तहत असल में भारत का हमारा कारोबार एक ही जगह आ गया है। यह पेयू पेमेंट्स अंब्रैला है। हमारे लिए यह होल्डिंग कंपनी भी है। हमने भारत के लिए ढांचा बनाया है। एक बोर्ड है जो हमारा कामकाज देखता है। पेमेंट्स का अपना बोर्ड है, जो होल्डको का भी बोर्ड है। क्रेडिट का अपना अलग बोर्ड है।

**माइंडगेट के नजरिए से विकास के अगले चरण में क्या शामिल होगा?**

बेहतर टीपीएपी समाधान देने का एक मौका है। माइंडगेट आज यह सुविधा दे रही है, लेकिन इसे अगले स्तर पर ले जाने का एक तरीका भी है। कई व्यापारी टीपीएपी बनना चाहते हैं और हम इसमें उनकी मदद कैसे करते हैं? हम उन्हें अनुपालन से जुड़ी हर प्रक्रिया में कदम-कदम पर गाइड करते हैं। इसके अलावा, पेयू ने कुछ और समाधान भी तैयार किए हैं, जैसे लॉयल्टी प्रोग्राम, फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट और कुछ मुख्य समाधान। यूपीआई के क्षेत्र में उन छोटे बैंकों के लिए भी आगे बढ़ने का शानदार मौका है जो अभी तक इस बाजार के बड़े खिलाड़ी नहीं बन पाए हैं। साथ ही, यूपीआई में 'सीएल' (क्रेडिट लाइन) की सुविधा भी उपलब्ध है। इन सभी समाधानों पर अभी भी काफी काम करने की जरूरत है।

**आईपीओ की योजनाओं के बारे में क्या कहना चाहेंगे?**

अभी तो नहीं, लेकिन जैसे-जैसे हम पूंजी जुटाने के बारे में सोचेंगे और जब हम उस स्तर और परिपक्वता तक पहुंच जाएंगे, जहां कंपनी की वृद्धि, लाभप्रदता और भविष्य की दिशा स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगेगी तो आईपीओ के बारे में सोचना अच्छा और तार्किक कदम होगा।

# टेक महिंद्रा का लाभ 16% बढ़ा

**भाषा**
नई दिल्ली, 22 अप्रैल

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़कर 1,353.8 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में मुनाफा 1,166.7 करोड़ रुपये रहा था। टेक महिंद्रा ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 13,384 करोड़ रुपये थी।

तिमाही आधार पर लाभ एवं राजस्व में क्रमशः 20.7 प्रतिशत और 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में टेक महिंद्रा का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 4,251.5 करोड़ रुपये था। परिचालन आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये हो गई।

टेक महिंद्रा के मुख्य कार्य अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक मोहित जोशी ने कहा, 'हम एआई-आधारित संगठन बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सेवाओं में एआई को शामिल कर रहे हैं और ग्राहकों के लिए बेहतर मूल्य प्रदान करने हेतु अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं। हम अनुशासित तरीके से विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और वित्त वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में अग्रसर हैं।'

कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए पांच रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 36 रुपये का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। यह अंतिम लाभांश नवंबर 2025 में दिए गए 15 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है।

### ट्रेंट के मुनाफे में 32.5 प्रतिशत इजाफा

टाटा समूह की खुदरा कंपनी ट्रेंट लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 26 की मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 32.57 प्रतिशत बढ़कर 413.1 करोड़ रुपये रहा। वेस्टसाइड, जूडियो और स्टार ब्रांड नाम से खुदरा स्टोर संचालित करने वाली कंपनी ट्रेंट ने बुधवार को शेयर बाजार को बताया कि पिछले साल जनवरी-मार्च तिमाही में उसने 311.6 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

इस बीच, ट्रेंट के निदेशक मंडल (बोर्ड) ने प्रत्येक दो इक्विटी शेयरों पर एक इक्विटी शेयर के बोनस शेयर को मंजूरी दी है और 600 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है, जो एक रुपये के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर छह रुपये बैठता है। मार्च तिमाही में परिचालन से ट्रेंट का एकीकृत राजस्व 19.23 प्रतिशत बढ़कर 5,027.99 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 4,216.94 करोड़ रुपये था।

# गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप असूचीबद्ध कारोबारों में लगाएगा 7,000 करोड़ रु

**प्राची पिसाल**
मुंबई, 22 अप्रैल

**गोदरेज** इंडस्ट्रीज ग्रुप अगले पांच वर्षों में अपने गैर-सूचीबद्ध कारोबारों में 5,000-7,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश वर्ष 2031 तक 5 लाख करोड़ रुपये का संयुक्त बाजार पूंजीकरण हासिल करने के उसके लक्ष्य का हिस्सा है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज के 6 व्यवसायों में से तीन – गोदरेज प्रॉपर्टीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और गोदरेज एग्रोवेट सूचीबद्ध कंपनियां हैं। उसके गैर-सूचीबद्ध व्यवसायों में गोदरेज वेंचर्स, गोदरेज कैपिटल और गोदरेज केमिकल्स शामिल हैं।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप के पदेन चेयरपर्सन पिरोजशा गोदरेज ने कहा, 'निवेश कुछ हद तक हर बिजनेस के हिसाब से अलग-अलग होता है। हम उम्मीद करते हैं कि सूचीबद्ध व्यवसाय अपनी वृद्धि के लिए खुद ही फंड जुटाएंगे। हमें नहीं लगता कि उन्हें समूह स्तर से किसी भी तरह की फंडिंग की जरूरत पड़ेगी। हम अपने गैर-सूचीबद्ध व्यवसाय में निवेश कर रहे हैं। पांच साल में कुल निवेश 5,000 से 7,000 करोड़ रुपये के बीच होगा।'

गोदरेज बुधवार को गोदरेज इंडस्ट्रीज के मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। समूह ने नए उद्देश्य और ब्रांड पहचान की घोषणा की है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप की बिक्री और शुद्ध मुनाफा पिछले पांच साल में 20 प्रतिशत से ज्यादा की सीएजीआर से बढ़ा है। समूह ने अपनी सालाना बिक्री को 15 प्रतिशत से ज्यादा और प्रति शेयर कमाई (ईपीएस) को 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

# देश में मौजूदगी बढ़ाने का लक्ष्य: मदर डेरी

**अक्षरा श्रीवास्तव**
मुंबई, 22 अप्रैल

**डेरी** ब्रांड मदर डेरी वित्त वर्ष 27 में 20 प्रतिशत से अधिक की राजस्व वृद्धि के साथ 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का लक्ष्य बना रही है। गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है और कंपनी अपनी देशव्यापी मौजूदगी बढ़ाने की योजना तैयार कर रही है। कंपनी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, 'हालांकि हमने दिल्ली से शुरुआत की थी, लेकिन अब इस इलाके से बाहर हमारी मौजूदगी 37 प्रतिशत है। हमें इसे बढ़ाकर 43 से 45 प्रतिशत तक ले जाने तथा आने वाले साल में खुद को असली देशव्यापी कंपनी के तौर पर स्थापित करने की उम्मीद है।'

चारी ने नए सीएमडी के रूप में पद संभाला है। उन्होंने आगे चलकर क्षेत्रीय से राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार किए जाने को अपने प्रमुख क्षेत्रों में से एक के तौर पर तय किया है। इसमें बिहार जैसे नए इलाके और आंध्र प्रदेश के कुछ क्षेत्र भी शामिल होंगे।

चारी ने कहा, 'हम अपनी ब्रांड इक्विटी को बढ़ाने, तकनीकी जुड़ाव पर काम करने और विकास को गति देने की योजना बना रहे हैं। हमने वित्त वर्ष 26 में 17 प्रतिशत की दर से 20,300 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। उम्मीद है कि अब 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करेंगे। इसे गर्मी के जोरदार सीजन से भी मदद मिलेगी।

कंपनी बिहार में दो नए संयंत्रों और उत्तराखंड में एक नए संयंत्र के साथ दूध उत्पादन की अपनी क्षमता को प्रतिदिन 70 लाख लीटर तक बढ़ाने के लिए काम कर रही है। ये संयंत्र तीन महीने के भीतर चालू हो जाएंगे। डेरी ने उत्तर प्रदेश में तीन संयंत्रों का अधिग्रहण किया है। इससे मौजूदा 60 लाख लीटर प्रतिदिन की क्षमता को बढ़ाया जा सकेगा।

# रियल एस्टेट में आया 5.1 अरब डॉलर

**प्राची पिसाल**
मुंबई, 22 अप्रैल

**देश** के रियल एस्टेट क्षेत्र में पूंजी की आवक साल 2026 की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 72 प्रतिशत बढ़कर 5.1 अरब डॉलर हो गई, जबकि साल 2025 की पहली तिमाही में यह 2.9 अरब डॉलर रही थी। रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परामर्श फर्म सीबीआरई साउथ एशिया ने यह जानकारी दी है।

अब तक किसी भी तिमाही के इस सर्वाधिक पूंजी निवेश में मुख्य रूप से डेवलपर आगे रहे। इनके ठीक बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स (रीट) का स्थान रहा। तिमाही आधार पर यह निवेश साल 2025 की चौथी तिमाही में दर्ज 3.3 अरब डॉलर की तुलना में 53 प्रतिशत बढ़ा, जो देश के रियल एस्टेट क्षेत्र के बुनियादी आधार में संस्थागत निवेशकों के लगातार बढ़ते भरोसे को दर्शाता है।

सीबीआरई के चेयरमैन और मुख्य कार्य अधिकारी (भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका) अंशुमान मैगजीन ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर व्यापक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद हमारा दमदार आर्थिक ढांचा लगातार भारी पूंजी आकर्षित कर रहा है। रीट की गतिविधियों में कई गुना वृद्धि विशेष रूप से उत्साहजनक है। यह ऐसे परिपक्व होते बाजार का संकेत है, जो तेजी से संस्थागत, प्रतिफल देने वाली परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि आगे चलकर विदेशी पूंजी स्पष्ट निवेश रणनीतियों के कारण फिर से जोरदार ढंग से जुटेगी।'

साल 2026 की पहली तिमाही के दौरान निवेश की यह रफ्तार मुख्य रूप से निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों में भारी पूंजी प्रवाह और जमीन/विकास स्थलों के अधिग्रहण में जारी गतिविधियों से संचालित हुई। समूची इक्विटी निवेश प्रवाह में इनकी कुल मिलाकर 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रही।

मुख्य रूप से डेवलपरों की अगुआई में घरेलू निवेशकों ने इस समूचे पूंजी निवेश में 96 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ निवेश परिदृश्य में दबदबा बनाए रखा। कुल पूंजी प्रवाह में डेवलपरों का हिस्सा 42 प्रतिशत रहा। इसके ठीक बाद 40 प्रतिशत के साथ रीट का स्थान रहा। रीट का निवेश 2 अरब से ज्यादा को पार कर गया। यह पिछली तिमाही की तुलना में कई गुना वृद्धि दर्शाता है और कुल निवेश के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। इस पूंजी का एक बड़ा हिस्सा जमीन अधिग्रहण में लगाया गया था। जगह खरीदने के लिए रखे गए पैसे का 73 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा मिलेजुले इस्तेमाल और आवासीय परियोजनाओं में लगाया गया, बाकी हिस्सा कार्यालय, वेयरहाउसिंग और आतिथ्य-सत्कार विकास में गया।

सीबीआरई के प्रबंधन निदेशक और सह-प्रमुख (कैपिटल मार्केट्स, इंडिया) गौरव कुमार ने कहा, 'हम देख रहे हैं कि अधिक गुणवत्ता वाले ऑफिस स्पेस के लिए लगातार प्राथमिकता बनी हुई है। इसकी वजह घरेलू संस्थागत पूंजी के साथ-साथ विदेशी पूंजी का बड़ा निवेश है, खासकर रीट के जरिये। यह मांग मिलेजुले इस्तेमाल और आवासीय विकास के लिए जगह खरीदने में हुई बढ़ोतरी के साथ मिलकर बाजार का दमदार दृष्टिकोण बताती है। भविष्य के लिहाज से हमें उम्मीद है कि निवेश का अगला चरण, प्रतिफल पर केंद्रित आय वाली परिसंपत्तियों तथा अधिक वृद्धि वाले मौकों के बीच रणनीतिक संतुलन से परिभाषित होगा।'

## ईवी बाजार में पैठ की तैयारी ...

# ईवी तंत्र स्थापित करने पर जोर दे रही टेस्ला

**अंजलि सिंह**
मुंबई, 22 अप्रैल

**टेस्ला** भारत में बिक्री बढ़ाने से पहले इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का व्यापक तंत्र तैयार करने को प्राथमिकता दे रही है। इसमें फास्ट-चार्जिंग का बुनियादी ढांचा, घरेलू चार्जिंग समाधान और सेवा क्षमताएं शामिल है। इसका कारण उस बाजार में मौजूद ढांचागत रुकावटों को दूर करना है, जहां अभी भी इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ काफी कम है।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 26 में भारत के समूचे यात्री वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की हिस्सेदारी लगभग 4.2 प्रतिशत रही। इससे यह बात जाहिर होती है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में लोगों की दिलचस्पी बढ़ने के बावजूद उन्हें अपनाने का रुझान अब भी शुरुआती दौर में ही है। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक टेस्ला ने वित्त वर्ष 26 में लगभग 342 कारें बेचीं।

आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि पुराने विनिर्माताओं का इलेक्ट्रिक यात्री वाहन श्रेणी में दबदबा है। इनमें टाटा मोटर्स वित्त वर्ष 2026 में 78,000 से अधिक वाहनों के साथ सबसे आगे है। इसके बाद एमजी मोटर इंडिया और महिंद्रा ऐंड महिंद्रा का स्थान है। इससे अपेक्षाकृत किफायती ईवी में दमदार मांग का पता चलता है। इसके विपरीत बीएमडब्ल्यू इंडिया, मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीवाईडी इंडिया जैसी लग्जरी कार विनिर्माता की काफा छोटी हिस्सेदारी है। इनकी बिक्री कुछ हजारों में है। इससे प्रीमियम ईवी श्रेणी के सीमित दायरे का पता चलता है। इसकी तुलना में भारत में टेस्ला की शुरुआती बिक्री नरम रही है।

कंपनी की इस सोच के जानकार सूत्रों ने बताया कि अभी टेस्ला का ध्यान बिक्री बढ़ाने पर नहीं, बल्कि ऐसा दमदार स्वामित्व अनुभव बनाने पर है, जो बैटरी खत्म होने की चिंता कम करे और उन सुविधा कारकों में सुधार करे, जिन्हें भारत में ईवी अपनाने में तेजी लाने के मामले में अहम माना जाता है।

भारत में कंपनी द्वारा दिए जा रहे जोर के केंद्र में टेस्ला मॉडल वाई है, जिसे आज 61,99,000 रुपये की कीमत पर बाजार में उतारा गया है। इससे देश में तेजी से बढ़ती प्रीमियम एसयूवी श्रेणी में टेस्ला की स्थिति मजबूत होने की उम्मीद है।

**ESAF**
ESAF SMALL FINANCE BANK
*Joy of Banking*

**PUBLIC NOTICE**

**ESAF Small Finance Bank Announces Discontinuance of Corporate Agency Tie-up with Star Health Insurance Co. Ltd.**

**ESAF Small Finance Bank Ltd.** ("the Bank") hereby informs the general public and its valued customers that the corporate agency arrangement with Star Health and Allied Insurance Co. Ltd. has been discontinued with effect from **7th April 2026**. Accordingly, the Bank will no longer solicit or distribute any insurance policies of Star Health Insurance through its branches or any of its channels from the above-mentioned date.

However, the Bank remains committed to customer service and support. Customers who have already purchased Star Health Insurance policies through the Bank may continue to approach the Bank for:

a) **Policy-related queries**
b) **Assistance in servicing requests**
c) **Claims support and guidance**

Further, customers are informed that as per regulatory provisions, they have the option to port their existing health insurance policies to other insurers, subject to applicable terms and conditions laid down by the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI). The Bank continues to offer a range of insurance products through other empanelled insurers and remains dedicated to serving the insurance needs of its customers.

For any assistance, customers may visit the nearest ESAF Small Finance Bank branch or contact the Bank's customer support channels.

Place:Thrissur
Date: 10th April 2026

(Sd/-) Authorized Signatory
For ESAF Small Finance Bank Ltd.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
BOBCAPS TRUST | INNOVATION | EXCELLENCE

**स्विस चैलेंज पद्धति के अंतर्गत अनुमत्य अंतरितियों और एआरसी को मैसर्स डिस्ट्रीब्यूशन लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड ("डीएलआईपीएल") के ऋणग्रस्त ऋण जोखिम के हस्तांतरण के संबंध में अभिरुचि की अभिव्यक्ति ("ईओआई") आमंत्रित करने वाला विज्ञापन।**

**बीओबी कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ("बीओबीसीएपीएस" अथवा "प्रक्रिया सलाहकार") द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा ("लीड बैंक") और कंसोर्टियम उदाहरणार्थ पंजाब नैशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, एआरसीआईएल, भारतीय स्टेट बैंक (सामूहिक रूप से "ऋणदाता") में अन्य ऋणदाताओं की ओर से, पात्र एआरसी, बैंकों, एनबीएफसी, अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों और अन्य अनुमत्य अंतरितियों (सामूहिक रूप से "अनुमत्य अंतरिती" या "बोलीदाता"), जो आरबीआई (वाणिज्यिक बैंक – ऋण जोखिम का हस्तांतरण और वितरण) निर्देशावली 2025, समय-समय पर संशोधित ("आरबीआई निर्देशावली"), और प्रत्येक ऋणदाता की आंतरिक बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति सहित लागू कानूनों के अंतर्गत पात्र हैं, से अभिरुचि की अभिव्यक्ति ("ईओआई") आमंत्रित की जाती हैं।**

**ऋणदाता, 31 मार्च 2026 तक कुल संविदात्मक बकाया राशि 970.55 करोड़ रुपये (केवल नौ सौ एवं सत्तर करोड़ तथा पचपन लाख रुपये) वाले डीएलआईपीएल के ऋणग्रस्त ऋण जोखिम को, अनुमत्य हस्तांतरितियों को "पूर्ण नकद" आधार पर दृढ़तापूर्वक 'जैसी है जहां है', 'जैसी है जो है', 'जैसी है कैस भी है', "वहां जो कुछ भी है" और "बिना किसी सहारा" आधार पर, बोली प्रक्रिया प्रलेख ("बीपीडी") में निर्धारित स्विस चैलेंज पद्धति ("एससीएम") के माध्यम से बेचने/हस्तांतरित करने का प्रस्ताव करते हैं। ऋणदाता, ऋणग्रस्त ऋण जोखिम से संबंधित किसी भी परिचालन, कानूनी या अन्य जोखिम को नहीं ग्रहण करेंगे और डीएलआईपीएल के संबंध में कोई भी प्रतिनिधित्व, वारंटी या आश्वासन प्रदान नहीं करेंगे।**

**स्विस चैलेंज पद्धति के विवरण इस प्रकार हैं :**

| | |
|---|---|
| 31 मार्च 2026 तक बकाया मूलधन | रु. 690.96 करोड़ |
| ईओआई और अन्य प्रलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | 27 अप्रैल 2026 को सायं 5 बजे |
| वीडीआर और ड्यू डिलिजेंस तक पहुंच की अंतिम तिथि | 12 मई 2026 |
| एंकर बिड/आरक्षित मूल्य | रु. 621.00 करोड़ (रुपये छह सौ एवं इक्कीस करोड़ मात्र) |
| न्यूनतम मार्क-अप, एंकर बिड के 5.48% की दर पर | रु. 34.00 करोड़ (रुपये चौंतीस करोड़ मात्र) |
| बोलीदान का आरंभिक मूल्य | रु. 655.00 करोड़ (रुपये छह सौ एवं पचपन करोड़ मात्र) |
| बोली वृद्धि राशि (बोली गुणक) | रु. 5.00 करोड़ (रुपये पाँच करोड़ मात्र) |
| ई-नीलामी की तिथि | 13 मई 2026 |

विस्तृत जानकारी के लिए, इच्छुक पक्षकार लीड बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.bank.in पर और प्रक्रिया सलाहकार की वेबसाइट www.bobcaps.in/tenders पर जा सकते हैं। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया निम्नलिखित से संपर्क करें :

| संपर्क व्यक्ति | दूरभाष सं. | ईमेल आईडी |
|---|---|---|
| श्री सागर भद्रा, एवीपी – बॉबकैप्स | +91 7666412395 | logistics@bobcaps.in |
| श्री हेमंत गुप्ता, एसएम – बॉबकैप्स | +91 9819436276 | |
| श्री राहुल पाटिल, सीएम – बॉब, बीसीसी | +91 9960274799 | sales.recovery.bcc@bankofbaroda.bank.in |

**नोट :**

कृपया ध्यान दें कि इस विज्ञापन में परिकल्पित प्रक्रिया ऋणदाताओं के सक्षम अधिकारियों द्वारा अंतिम अनुमोदन के अधीन होगी। यह कोई प्रस्ताव प्रलेख नहीं है और इसमें निहित कोई भी बात बाध्यकारी प्रस्ताव या किसी ऋण को हस्तांतरित करने की कोई प्रतिबद्धता नहीं मानी जाएगी। इस संबंध में ऋणदाताओं का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

आवेदक/अधिग्रहणकर्ता, ऋणग्रस्त ऋण जोखिम/एनपीए के हस्तांतरण से संबंधित सभी लागू कानूनों का पालन करने के लिए स्वयं बाध्य होंगे। इस विज्ञापन में परिकल्पित बोली और बिक्री प्रक्रिया बोली प्रक्रिया प्रलेख की शर्तों के अनुसार संचालित की जाएगी और उनके अधीन होगी।

**हस्ता/–**
**निगर्गतकर्ता**
**बैंक ऑफ बड़ौदा, बीसीसी, मुंबई**

**स्थान : मुंबई**
**दिनांक : 23 अप्रैल, 2026**

**दिल्ली संस्करण :** बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा नीतेंद्र कुमार श्रीवास्तव, जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210-211, सेक्टर-63 नोएडा-201301 उ.प्र. और पृथ्वीस दास, डी.बी. कॉर्प लिमिटेड 10, जेएलएन मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302015 से मुद्रित एवं नेहरू हाउस, 4, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित

संपादक : कैलाश नौटियाल, पीआरजीआई रजिस्ट्रेशन नं. DELHIN/2008/27804 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 011-23720202/23762742

सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं